भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 4939

दिनांक 23 जुलाई, 2019 के लिए प्रश्न

विषय: दक्षिण भारत की मूल मवेशी नस्लों का संरक्षण

4939. सुश्री एस॰ जोतिमणिः

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय ने दक्षिण भारत की मूल मवेशी नस्लों नामतः कंगयम, बरगूर, ओंगल इत्यादि के संरक्षण हेतु कोई उपाय किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या एनडीआरआई की इस वर्ष (2019) दक्षिण भारत की नस्लों हेतु पशु मेला आयोजित करने की कोई योजना है;

(ग) क्या मंत्रालय ने राष्ट्रीय गोकुल मिशन हेतु एनबीएजीआर और आईसीएआर से कोई मत या स्वीकृति प्राप्त की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो मंत्रालय एनबीएजीआर और आईसीएआर के साथ परामर्श करके मिशन नीतियों की समीक्षा हेतु क्या कदम उठाए जाने की संभावना है;

(घ) क्या मंत्रालय ने राष्ट्रीय गोकुल मिशन के संबंध में पशु प्रजनन सोसाइटियों के साथ कोई हितधारक परामर्श किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या मंत्रालय का किसानों के कल्याण हेतु प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजनाओं को आरंभ करने का कोई विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री

(डॉ. संजीव कुमार बालियान)

(क) जी हां। राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा दक्षिण भारत की नस्लों (नामत: कंगेयम, बरगुर, ओंगोले इत्यादि) समेत देशी गोपशु नस्लों के संरक्षण और विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को पूरित और संपूरित करने के लिए सरकार ने देशी बोवाईन नस्लों के विकास और संरक्षण के उद्देश्य से राष्ट्रीय गोकुल मिशन शुरू किया है। कार्यक्रम के अंतर्गत दक्षिण भारत की नस्लों समेत सभी नस्लें कवर की जा रही है।

(ख) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा दी गई सूचना के अनुसार राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई) प्रत्येक वर्ष डेयरी मेले का आयोजन करता है जिसमें देशभर के किसान भाग ले सकते हैं। इस वर्ष इसका आयोजन नवंबर माह में किया जाएगा।

(ग) और (घ) राष्ट्रीय पशु आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो (एनबीएजीआर) योजना के अंतर्गत भागीदारी कर रहा है और जिनोमिक चिप के विकास तथा देश में जिनोमिक चयन के कार्यान्वयन के लिए 8.90 करोड़ रूपए की राशि जारी की गई है। पशुपालन और डेयरी विभाग ने परियोजना के कार्यान्वयन में सभी पणधारियों के साथ विचार-विमर्श के लिए निम्नलिखित समितियों का गठन किया है: i) परियोजना की बारीकी से मॉनिटरिंग के लिए सचिव (एएचडी) और महानिदेशक आईसीएआर की सहअध्यक्षता में राष्ट्रीय संचालन समिति ii) पशुपालन आयुक्त (एएचसी) की अध्यक्षता में परियोजना तकनीकी एवं कार्यान्वयन समिति, और iii) एनबीएजीआर के निदेशक की अध्यक्षता में परियोजना प्रबंधन यूनिट। योजना के अंतर्गत परियोजनाएं राज्यों द्वारा गोपशु प्रजनन समितियों के साथ विचार-विमर्श के पश्चात् तय की जाती है और योजना के अंतर्गत गोपशु प्रजनन समितियों की स्थापना के लिए सहायता का प्रावधान भी उपलब्ध है।

(ड.) राष्ट्रीय गोकुल मिशन लाभार्थी उन्मुख योजना नहीं है। योजना के अंतर्गत गोपाल रत्न और कामधेनु पुरस्कार के विजेताओं को पुरस्कार की राशि बैंक ट्रांजेक्शन के माध्यम से हस्तांतरित की जाती है।

*****